

आशा सरकाथि
1965 I
ASMA ARCHIVES

331
Hindu
vidhi.

[illegible][illegible]

शुभाष्टक ॥ त्रिभुवनं त्रिधा विधातुं कुरुतासनी ॥ ॐ ह्रस्व ४ स्वकृत्तासनाय नमः ॥
प्रोक्तं भगवत्कामसनाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अथैवमसतं मम जीवन्मृतं कुरु ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
नमस्तुभ्यं ॥ ॐ यमसंगि वगदितां तां ध्यातुं यथावैयथ्यं किमपीह युव्या दाम्बुदं विवसाय
गतास्मि ॥ ॐ अतस्वामृद्धिनी ललादितां तां ध्यातुं यथावैयथ्यं किमपीह युव्या दाम्बुदं विवसाय
कुरु ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
निश्वासात् ॥ वाम ॥ ॐ यमसंगि वगदितां तां ध्यातुं यथावैयथ्यं किमपीह युव्या दाम्बुदं विवसाय
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
वाम ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

लाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
म ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
ततां हृदि ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
नीदुगाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

नमो भगवते ॥ ॥ दिग्विजय ॥ मध्य ॥ बुद्ध ॥ वासुदेव ॥ वायनमः ॥ **नंदी** ॥
 यस्तुवाधियाय ॥ वावगासनाय वददसाय गक्रियूकाय संगमयसयविवावायनमः ॥ **देव** ॥
नंदी ॥ वांजु नयतज्जाधियाय मवासनाय गक्रिदसाय गक्रियूकाय संगमयसयविवावा
 सनमः ॥ **आ** ॥ नय ॥ **नंदी** ॥ नयमायधगाधियाय मदिवासनाय वददसाय गक्रि
 यूकाय संगमयसयविवावायनमः ॥ ददि ॥ **नंदी** ॥ कतिमतयववाधियाय नवापना
 यवजदसाय गक्रियूकाय ॥ मयसयविवावायनमः ॥ तसहवो ॥ **नंदी** ॥ वावेव
 गायजलाधियाय मकवासनाय गदसाय गक्रियूकाय संगमयसयविवावायनमः ॥
 वादिम ॥ **नंदी** ॥ विवायव ॥ वाधियाय ददिमस ॥ यजूक गदसाय गक्रियूकाय
 संगमयसयविवावायनमः ॥ वायवका ॥ **नंदी** ॥ सिमामायधनाधियाय गदादसा

ना २

यजूवदसाय गक्रियूकाय संगमयसयविवावायनमः ॥ **नंदी** ॥ वाधियाय
 यविद्याधियाय ववावराय विदुलदसाय गक्रियूकाय संगमयसयविवावायनमः ॥
 वीगा ॥ **नंदी** ॥ वीजुनकायनाधियाय ववदसाय वदसासिताय ॥ **नंदी** ॥
 मयसयविवावायनमः ॥ **नंदी** ॥ वदसा ॥ वाधियाय यददसाय दसावरा
 य गक्रियूकाय संगमयसयविवावायनमः ॥ **नंदी** ॥ वीजु नयमिरेववायजी
 वक्रा ॥ सिदितायणीयादुका ॥ **नंदी** ॥ वावुरववायजी मादुग्वीगाकेसादसायणीयादुका ॥
नंदी ॥ वावुरववायजीकोमवीगाके सिदितायणीयादुका ॥ **नंदी** ॥ वाधियाय ववायजी
 वीगाके सिदितायणीयादुका ॥ **नंदी** ॥ वादिमकरववायजी ववादीसकि सिदितायणीयादु
 का ॥ **नंदी** ॥ वादिमाली विवायजी गवाणी गक्रिसदितायणीयादुका ॥ **नंदी** ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

पृथ॥ क०॥ धीगमदाकालीर्यातिम॥ दन्तीस॥ खर्व॥ गसयस्वतीर्यातिम॥ कृयन्ति॥
यि॥ अ०॥ क०॥ लोनीर्यातिम॥ मालिर्वि॥ धीगिवाकमंगल॥ क०॥ व०॥ धीर्यातिम॥ अ०॥
लिमूल॥ ६॥ क०॥ द०॥ गमिगि०॥ किर्यातिम॥ अ०॥ ल०॥ ७॥ व०॥ क०॥ ग०॥ ल०॥ किर्यातिम॥
म०॥ वामीस॥ ८॥ क०॥ त०॥ ग०॥ रूतमातार्यातिम॥ कृयन्ति॥ उचिदुर्नात०॥ ल०॥ वि०॥ द०॥
र्यातिम॥ वाममालिर्वि॥ ९॥ अ०॥ उ०॥ ग०॥ दाविगीर्यातिम॥ अ०॥ उ०॥ लिमूल॥ १०॥ सर्व०॥ ग०॥
ग०॥ र्यातिम॥ अ०॥ उ०॥ ल०॥ ११॥ द०॥ साम०॥ ग०॥ खर्वनीर्यातिम॥ द०॥ क०॥ व०॥ मूल॥ १२॥ ली०॥ ग०॥ ली०॥ ग०॥
उ०॥ र्यातिम॥ म०॥ १३॥ द०॥ क०॥ व०॥ क०॥ ग०॥ वृयिगीर्यातिम॥ १४॥ ल०॥ १५॥ अ०॥ उ०॥ द०॥ त०॥ नी०॥ ग०॥ दा०॥ वि०॥
र्यातिम॥ अ०॥ उ०॥ लिमूल॥ १६॥ उ०॥ मा०॥ की०॥ ति०॥ ग०॥ का०॥ का०॥ द०॥ र्यातिम॥ अ०॥ उ०॥ ल०॥ १७॥ त०॥ अ०॥

[illegible]

शुद्धौ यायी च ये यो यं यं या किति मां न दमस्य कथा पुन नदा २ सर्वसख वर्ग कवि
 यादुका ॥ सदे सय ल ॥ शु वक्ष नक्ष ॥ तता जूष मात का न्यास ॥ तं जं ली कुं क्रो य
 याग कतुं जू सित गि र न व जू वक्ष नक्ष ॥ तता जूष मात का न्यास ॥ तं जं ली कुं क्रो य
 कतुं क नू र न व का मा द ध्वनी जू व क्ष नक्ष ॥ तता जूष मात का न्यास ॥ तं जं ली कुं क्रो य
 व क्ष नक्ष ॥ तता जूष मात का न्यास ॥ तं जं ली कुं क्रो य
 को ध र न व द न ना य गी जू व क्ष नक्ष ॥ तता जूष मात का न्यास ॥ तं जं ली कुं क्रो य
 वा वि वा दी जू व क्ष नक्ष ॥ तता जूष मात का न्यास ॥ तं जं ली कुं क्रो य
 जू व क्ष नक्ष ॥ तता जूष मात का न्यास ॥ तं जं ली कुं क्रो य

[illegible]

आशा सरकाथि

1965 I

ASHA ARCHIVES





















